राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय

उच्च माध्यमिक प्री–बोर्ड परीक्षा

कक्षा–12 विषय–हिन्दी साहित्य समयः–3:15 घण्टै पुर्णांकः–80

प्रश्नः–1 हिन्दी गद्य साहित्य के विकास में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का योगदान बताईये। 4

प्रश्नः–2 द्विवेदी युग को जागरण सुधार काल क्यों कहा जाता है ? 4

प्रश्नः–3 नाटक और एकांकी में अन्तर स्पष्ट कीजिए ? 4

प्रश्नः–4 छायावादी काल एंव काव्यकारों पर एक टिप्पणी लिखिए। 4

प्रश्नः–5 ओज गुण को परिभाषित कीजिए । 1

प्रश्नः–6 दुष्क्रमत्व दोष के लक्षण व उदाहरण दीजिए । 1

प्रश्नः–7 गीतिका छन्द को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए। 3

प्रश्नः–8 द्रुतविलम्बित छन्द के लक्षण व उदाहरण दीजिए। 3

प्रश्नः–9 समासोक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। अन्योक्ति और समासोक्ति अलंकार में अन्तर बताईये।4

प्रश्नः–10 विभावना अलंकार को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 4

प्रश्नः–11निम्नांकित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 3

भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा न्यूनतम खर्च में अपना स्वदेशी उपग्रह पर योजना आज भी सम्पूर्ण विश्व को आश्चर्यचकित कर रहा है।अमेरिका हमारी बौद्धिक क्षमता से भयभीत है।जिन लोगों ने हिन्दूस्तान के गौरवपूर्ण अतित को सामने लाने का प्रयास किया था,उन्हें संकुचित मस्तिष्क का प्रतिगामी बताकर उपेक्षित किया । आवश्यकता तो इस बात की है कि अपने ज्ञान–विज्ञान के उस भंडार को एक बार खंगाले । इससे हमारा अपना उद्धार तो होगा ही विश्व का कल्याण भी होगा ।

प्रश्नः–12 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 3

करम का मूल तन , तन मूल जीव जग ,
जीवन को मूल अति आनन्द ही धारिबो।
कहै 'पदमाकर' ज्यौं आनन्द को मूल राज,
राजमूल केवल प्रजा को मौन भरिबो।
प्रजामूल अन्न सव, अन्नन को मूल मेघ,
मेघन को मूल एक जज्ञ अनुसरिबो।
जज्ञन को मूल धन , धन मूल धर्म अरू,
धर्म मूल गंगा–जल बिन्दु पान करिबो।।

प्रश्नः–13''संस्कार और शास्त्रों की लडाई'' परसाई जी का एक व्यंग्यात्मक निबन्ध है । '' इस कथन के माध्यम से बताईये कि लेखक ने किन–किन पर व्यंग्य किया है । और क्यों ? 4

प्रश्नः–14 कबीर के पठित दोहों के आधार पर गुरू के महत्व का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 4

प्रश्नः–15 साधना मार्ग में किन गुणों को महत्ता दी गई है ? ' भारतीय संस्कृति अध्याय के आधार पर बताईये। 3

प्रश्नः–16 सेव तोडने वाले लडके को पिटने के बाद प्रो. गजानन्द के मन में क्या विचार आये ?'सेव और देव''कहानी के आधार पर बताईये। 3

प्रश्नः–17 '' हम जैसा बोयेगें वैसा ही पायेंगें ।'' '' धरती कितना देती है ।'' कविता के आधार पर पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए। 3

प्रश्नः–18 ''रहिमन धागा प्रेम का मत तोडो चटकाय। टुटे से फिर ना जुडे , जुडे गाँठि परि जाय।।'' रहिम के इस दोहे का भाव सौन्दर्य व शिल्प सौन्दर्य लिखिए। 3

प्रश्नः–19 कवि तुलसीदास अथवा प्रेमचन्द का साहित्यक परिचय दीजिए। 2

प्रश्नः–20 '' अलोपी मुझे देखना चाहता है ?'' अलोपी के इस सन्देश को सुनकर पीडित लेखिका को हंसी क्यों आ गई थी ?2

प्रश्नः–21 मन्दोदरी ने रावण से क्या कहा था ? 2

प्रश्नः–22 शेखर ने जब यह कहा कि कभी –कभी तो मुझे तुममें भी कविता दिख पडती है । ' भोर का तारा ' एंकाकी के पात्र माधव ने इसका क्या उत्तर दिया ? 4

प्रश्नः–23 हमारी राष्ट्रीयता बलवती कैसे हो सकती है ? 'राष्ट्र का स्वरूप'' अध्याय के आधार पर बताईये । 3

प्रश्नः–24 प्रकृति के प्रति डॉ. रामकुमार वर्मा के विचार लिखिए। 3

प्रश्नः–25 एंग्लो–इण्डियन स्कूल का भारतीय बच्चों के प्रति क्या दृष्टिकोण था ?'सुभाषचन्द्र बोस' अध्याय के आधार पर बताईये। 3

प्रश्नः–26 'वे राजनितिक जीवन में ही नहीं , पारिवारिक जीवन में भी विद्रोहिणी थी' कथन के आधार सुभद्रा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। 3

www.rajteachers.com

Senior Secondary Pre Board Exam 2019-20

कक्षा–12

विषय – हिंदी साहित्य

अनुक्रमांक ☐☐☐☐☐☐☐☐

अवधि– 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक– 80 अंक**

खण्ड – 1

प्र न 1. भारतेन्दु युग को पुनर्जागरण काल क्यों कहा जाता है? इस काल के गद्य साहित्य की वि ोषताओं पर प्रका ा डालिए। (उ ार सीमा 80 ाब्द)

प्र न 2. प्रसाद के नाटकों की वि ोषताओं का वर्णन करते हुए प्रमुख नाटकों का उल्लेख करिए। (उ ार सीमा 80 ाब्द)

प्र न 3. रेखाचित्र'' व 'संस्मरण' को परिभाषित करते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए। (उ ार सीमा 80 ाब्द)

प्र न 4. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के साहित्यिक योगदान को स्पष्ट करें। (उ ार सीमा 80 ाब्द)

खण्ड – 2

प्र न 5. माधुर्य गुण की परिभाषा दीजिए। (उ ार सीमा 10 ाब्द)

प्र न 6. श्रुति कटुत्व दोष का उदाहरण दीजिए। (उ ार सीमा 10 ाब्द)

प्र न 7. कुण्डलिया छंद की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (उ ार सीमा 60 ाब्द)

प्र न 8. 'गीतिका' व 'हरिगीतिका' की परिभाषा देते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए। (उ ार सीमा 60 ाब्द)

प्र न 9. 'प्रतीप' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। व्यतिरेक व प्रतीप में अंतर स्पष्ट कीजिए। (उ ार सीमा 80 ाब्द)

प्र न 10. 'अन्योक्ति' अलंकार को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (उ ार सीमा 80 ाब्द)

www.rajteachers.com

खण्ड – 3

प्र न 11. निम्नांकित गद्यां ों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 60 ाब्दों में कीजिए–

भारतवर्ष पर प्रकृति की वि ोष कृपा रही है। यहाँ सभी ऋतुएँ समय पर आती है और पर्याप्त काल तक ठहरती हैं। ऋतुएँ अपने अनुकूल फल–फूलों का सृजन करती हैं। धूप और वर्षा के समय अधिकार के कारण यह भूमि ास्य यामला हो जाती है। यहाँ का नगाधिराज हिमालय कवियों को सदा से प्रेरणा देता आ रहा है और यहाँ की नदियाँ मोक्षदायिनी समझी जाती रही हैं। यहाँ कृत्रिम धूप और रो ानी की आव यकता नहीं पड़ती। भारतीय मनीषी जंगल में रहना पसंद करते थे। वृक्षों में पानी देना एक धार्मिक कार्य समझते हैं। सूर्य और चंद्र द ान नित्य और नैमिन्तिक कार्यों में ुभ माना जाता है।

अथवा

जीवन के सभी क्षेत्रों में भारत के मनीषियों ने अद्भुत आविष्कार किए थे। बात अंतरिक्ष विज्ञान की हो, रसायन विज्ञान की हो, भौतिक विज्ञान की हो, चिकित्सा विज्ञान की हो अथवा निर्माण विज्ञान की । आधुनिक भारतीय वैज्ञानिकों में सर जे.सी.बोस, सी.वी. रमन, डॉ. होमी जहाँगीर भाभा, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम आदि की वैज्ञानिक उपलब्धियों को हम कैसे विस्मृत कर सकते हैं? भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा न्यूनतम खर्च में अपना स्वदे ी उपग्रह मंगल ग्रह पर भेजना आज भी आ चर्यचकित कर रहा है। अमेरिका हमारी बौद्धिक क्षमता से भयभीत है। जिन लोगों ने हिन्दुस्तान के गौरवपूर्ण अतीत को सामने लाने का प्रयास किया भी, उन्हें संकुचित मस्तिष्क का एवं प्रतिगामी बताकर उपेक्षित किया।

प्र न 12. निम्नांकित पद्यां ों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 60 ाब्दों में कीजिए–

मलय समीर सुभ सौरभ धरन धीर,
सरबर नीर जन मन्जन के काज के।
मधुकर पंज पुनि मंजुल करत गूँज,
सुधरत कुंज सम सदन समाज के।।
व्याकुल वियोगी, जोग कै सकै न जोगी, तहाँ,
वितरत भोगी सेनापति सुख साज के।
सघन तरू लसत, बौलें पिक–कुल सत,
देखो हिय हुलसत आए रितुराज के।।

अथवा

न्योयोचित अधिकार माँगने
से न मिले, जो लड़ के,
तेजस्वी हरीनते समर को
जीत, या कि खुद मरके।

www.rajteachers.com

किसने कहा, पाप है समुचित
स्वत्व–प्राप्ति–हित लड़ना?
उठा न्याय का खड्ग समर में
अभय मारना–मरना?

प्र न 13. मैं सोचता हूँ कि पुराने की अधिकार लिप्सा क्यों नहीं समय रहते सावधान हो जाती? 'िरीष के फूल' अध्याय के आधार पर उपर्युक्त कथन की व्याख्या करते हुए वर्तमान राजनीति में इसकी प्रासंगिकता बताइए। (उ ार सीमा 80 ाब्द)

अथवा

''अब कुछ नहीं हो सकता..... इस दे ा का भगवान ही मालिक है।'' आज दे ावासियों की यह पंक्ति लेखक को क्यों झकझोर देती है? इस कथन के प्रति अपने मौलिक विचार भी लिखिए।

प्र न 14. ''रहीम की रचनाएँ जीवन रस से परिपूर्ण है।''

उपर्युक्त कथन की समीक्षा उदाहरण सहित पठित अध्याय के आधार पर कीजिए।
(उ ार सीमा 80 ाब्द)

अथवा

कवि सुमित्रानन्दन पंत की कविता 'भारतमाता' का प्रतिपाद्य बताते हुए उदाहरण सहित समीक्षा कीजिए।

प्र न 15. 'अहिंसा, करुणा, मैत्री और विनय' नामक गुणों को भारतीय संस्कृति के मुख्य अंगों में स्थान देने का क्या कारण है? 'भारतीय संस्कृति' अध्याय के आधार पर समीक्षा कीजिए।
(उ ार सीमा 60 ाब्द)

अथवा

''तुलसी का काव्य और लोक–संस्कृति, दोनों अभिन्न हैं।'' इस कथन की व्याख्या 'भक्ति आंदोलन और तुलसीदास' अध्याय के आधार पर कीजिए।

प्र न 16. ''कौन निःस्वार्थ किसी के साथ सलूक करता है। 'गुल्ली डंडा' कहानी के कथा नायक न`ऐसा किस घटना के संदर्भ में कहा? साथ ही इस कथन पर अपने मौलिक विचार संक्षेप में लिखिए। (उ ार सीमा 60 ाब्द)

प्र न 17. मंदोदरी का चरित्र–चित्रण कीजिए। (उ ार सीमा 60 ाब्द)

प्र न 18. यहु ऐसा संसार है, जैसा सेवल फूल।
दिन दस के त्यौहार कौं, झूठे रंग न भूलि।
कबीर दास जी के इस दोहे का काव्य सौंदर्य लिखिए। (उ ार सीमा 60 ाब्द)

प्र न 19. कवि घनानंद अथवा लेखिका महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व व कृतित्व पद टिप्पणी लिखिए। (उ ार सीमा 40 ाब्द)

प्र न 20. कहानी 'सेव और देव' में लेखक के द्वारा फाहियान के जमाने का आद र्ा किसे और

www.rajteachers.com

क्यों कहा है? (उ ार सीमा 40 ाब्द)

प्र न 21. 'रावण अ ुद्ध होकर भी यदि कर सकता

वस्त तो नि चय तुम हो सिद्ध करोगे उसे ध्वस्त'

इन पंक्तियों में राम व रावण की कौन सी असमानता व्यंजित होती है? समझाइए।

(उ ार सीमा 40 ाब्द)

प्र न 22. 'निज प्रेम पर स्वदे ा प्रेम की मह ा है।'

'भोर का तारा' एकांकी के आधार पर उपर्युक्त कथन की व्याख्या कीजिए।

(ाब्द सीमा 80)

अथवा

किसी भी राष्ट्र को सम्पूर्ण रुप से समझने के लिए किन आधारभूत त वों का होना आव यक है?

प्र न 23. ''वर्तमान युग में वृद्ध दम्पा ियों को एकाकीपन का दं ा झेलना पड़ रहा है।'' इस कथन की पाठ के अनुसार व्याख्या कीजिए। (उ ार सीमा 60 ाब्द)

प्र न 24.''अपने निःस्वार्थ कार्यों से किसी के भी व्यक्तित्व में परिवर्तन लाया जा सकता है।'' इस कथन की व्याख्या 'सुभाषचन्द्र बोस' संकलित के आधार पर कीजिए। (उ ार सीमा 60 ाब्द)

प्र न 25. ''गेहूँ बनाम गुलाब'' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने दूषित मानसिकता वालों को क्या संज्ञा दी है और क्यों? (उ ार सीमा 60 ाब्द)

प्र न 26. आर्य जाति की उच्च कोटि की मानसिकता ने भारत को वि व में 'धर्मगुरु' के रुप में प्रतिष्ठित किया।'' हमारी पृष्ठभूमि व इसका गौरवमय अतीत' पाठ के आधार पर समझाइए। (उ ार सीमा 60 ाब्द)

www.rajteachers.com